आयोजन यूपीईएस के बिधोली परिसर में मशीन लर्निंग और डेटा इंजीनियरिंग पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

मशीन लर्निंग और डेटा इंजीनियरिंग पर किया गया मंथन

देहरादून, 29 नवम्बर (नवोदय टाइम्स) : यूपीईएस ने बिधोली परिसर में मशीन लर्निंग और डेटा इंजीनियरिंग पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मंथन किया गया है। बीरबार से दो दिन चले सम्मेलन का आयोजन यूपीईएस स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस ने एल्सेवियर यूनिवर्सिटी ऑफ डेटन (यूएसए) और प्रोविडेंस यूनिवर्सिटी के सहयोग से किया।

कांफ्रेंस का उद्घाटन सीईआरटी के डायरेक्टर जनरल डॉ. संजय बहल और आईआरडीई डायरेक्टर डॉ. अजय कुमार ने किया। पहले दिन की शुरुआत यूपीईएस के वाइस चांसलर डॉ. राम शर्मा के स्वागत भाषण से हुई, जिसके बाद डॉ. विजयन के. असारी (यूनिवर्सिटी ऑफ डेटन) जैसे प्रसिद्ध एक्सपर्ट्स के मुख्य सत्र हुए, जिन्होंने कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस पर अपने इनसाइट्स साझा किये और डॉ. अमित सचान ने ट्रांस्फॉर्मेटिव एआई ऐप्लिकेशन्स पर चर्चा की।

दूसरे दिन प्रो. पीटर हान जू चौंग (ऑकलैंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी) ने 5जी नेटवर्क में फजी लॉजिक एप्लीकेशन पर रोशनी डाली। डॉ. बर्नार्ड फॉग (प्रोविडेंस यूनिवर्सिटी) ने ऑटोमोटिव इन्वेंट्री मैनेजमेंट के लिए प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स की चर्चा की। प्रो. रॉबर्टस दामाशेविकियस (कौनास यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी) ने सस्टेनेबल सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग पर और डॉ. तन्मय चक्रवर्ती (आईआईटी दिल्ली) ने हानिकारक ऑनलाइन कंटेंट का मुकाबला करने पर चर्चा की। कार्यक्रम में डॉ. जीजी मोहम्मद नवाज डॉ. अरुण कुमार, एल वेंकट सुब्रमण्यम के भी व्याख्यान हुए।

मशीन लर्निंग और डेटा इंजीनियरिंग पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पुस्तक का विमोचन करते अतिथि।

यूपीईएस के स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस के डीन डॉ. विजयशेखर चेलाबोइना ने कहा कि दुनिया भर के रिसर्चर्स, शिक्षाविद और इंडस्ट्री लीडर्स को एक साथ लाकर, यह कांफ्रेंस न केवल अत्याधुनिक इनोवेशन को आगे बढ़ाता है, बल्कि सहयोग और नॉलेज शेयरिंग करने को भी बढ़ावा देता है। सम्मेलन में मशीन लर्निंग और डेटा इंजीनियरिंग के विभिन्न क्षेत्रों से 400 से अधिक रिसर्च पेपर्स प्रस्तुत किए गये।